Hindi Murli Quiz 08-07-2015

.

Q.1) **Q.“मीठे बच्चे, बन्धनमुक्त बन ----------में तत्पर रहो, क्योंकि इस --------- में बहुत ऊंच कमाई है, 21 जन्मों के लिए तुम वैकुण्ठ का मालिक बनते हो''**
निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें--

A. सर्विस
B. पढ़ाई
C. याद
D. धारणा

Q.2) **Q. केवल सही वाक्यों का ही चयन करें –**

A. मुरली सुनते समय अपने को आत्मा समझो और इस निश्चय से सुनो कि बाप परमात्मा हमको सुना रहे हैं।
B. एक गीता के सिवाय कोई ऐसा शास्त्र नहीं जिसमें भगवान ने राजयोग सिखाया हो वा श्रीमत दी हो।
C. उस गवर्मेन्ट से तो इस गवर्मेन्ट की कमाई बहुत ऊंच है, इससे तुम 21 जन्मों के लिए वैकुण्ठ का मालिक बनते हो।
D. जिनको पक्का निश्चय है वह तो कहेंगे हम इसी सेवा में लग जायें। परन्तु पूरा नशा चाहिए।
E. बाप कहते हैं देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ मामेकम् याद करो,आत्मा समझ बाप को याद करना-यही मेहनत है।

Q.3) **Q. “हर एक बच्चे को मुरली की प्वाइंट पर समझाने की आदत डालनी चाहिए । ब्राह्मणी (टीचर) अगर कहीं चली जाती है तो आपस में मिलकर क्लास चलानी चाहिए। अगर मुरली चलाना नहीं सीखेंगे तो आप समान कैसे बनायेंगे। ब्राह्मणी बिगर मूँझना नहीं चाहिए। पढ़ाई तो सिम्पुल है। क्लास चलाने की भी प्रैक्टिस करनी है।“**

A. True
B. False

Q.4) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	भक्ति मार्ग की भी ड्रामा में नूँध है।	1	खेल बना हुआ है - ज्ञान, भक्ति, वैराग्य।
B	वैराग्य भी दो प्रकार का होता है।	2	क्योंकि तुम जानते हो हम अब पावन दुनिया में जा रहे हैं।
C	अभी तुम पुरानी दुनिया को भूलने का पुरूषार्थ करते हो,	3	एक है हद का वैराग्य, दूसरा है यह बेहद का वैराग्य।
D	तुम सब ब्रह्माकुमार- कुमारियाँ भाई-बहन हो।	4	स्वर्ग में तो किंगडम थी। रिलीजस, राइटियस थे।
E	यह कोई स्वर्ग नहीं है।	5	विकारी दृष्टि जा न सके।

Q.5) **Q.रिक्त स्थान भरने के लिए उपयुक्त शब्द से ही मैच करें ---**

	Choice		Match
A	यहाँ तुम आते ही हो विश्व का ---------बनने।	1	मालिक
B	तुम बच्चों में जो भी पुरानी ---------हैं, वह छोड़ देनी हैं।	2	धन्धा
C	--------- की आदत भी बहुत नुकसान करती है।	3	आदतें
D	कुमारियों को तो कोई --------आदि भी नहीं है।	4	तमोप्रधान
E	बाप कहते हैं तुम सर्वगुण सम्पन्न थे। अब कितने ---------बन पड़े हो।	5	ईर्ष्या

Q.6) **Q. “संगमयुग पर जो बच्चे गुणों की माला धारण करते हैं वही विजय माला में आते हैं इसलिए होलीहंस बन सर्व के गुणों को देखो और एक बाप के गुणों को स्वयं में धारण करो । जो जितने बाप के गुण स्वयं में धारण करते हैं उनके गले में उतनी बड़ी माला पड़ती है। इसी की यादगार में देवताओं और शक्तियों के गले में माला दिखाते हैं।“**

A. True
B. False

Q.7) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	भारत 100 परसेन्ट सालवेन्ट था।	1	फिर 84 जन्म लेते-लेते अब पत्थरनाथ बन पड़े हैं।
B	हम विश्व के मालिक पारसनाथ थे।	2	शरीर को लेप-छेप लगता है और वह गंगा स्नान से शुद्ध हो जायेगा।
C	मनुष्य गिरते-गिरते एकदम दुबन में गले तक फँस पड़े हैं।	3	तुम ब्राह्मण सभी को चोटी से पकड़कर दुबन से बाहर निकालते हो ।
D	बिरला लक्ष्मी-नारायण के कितने मन्दिर बनाते हैं।	4	अब 100 परसेन्ट इनसालवेन्ट है।
E	भक्त लोग कहते हैं आत्मा निर्लेप है, कुछ भी खाओ पियो मौज करो,	5	लक्ष्मी-नारायण का आक्यूपेशन जाने बिना उनकी पूजा करना गुड़ियों की पूजा हुई ना।

Q.8) **Q. केवल गलत वाक्यों का ही चयन करें ---**

- **A.** अब बाप समझाते हैं शिवालय से चलो विषय सागर में । यह है क्षीर सागर ।
- **B.** तुम जानते हो हम 84 जन्म लेते पवित्र बने हैं, तब तो बाप को बुलाते हैं।
- **C.** तुम ब्राह्मणों का कर्तव्य है - भ्रमरी के मिसल कीड़ों को भूँ-भूँ कर आप समान बनाना।
- **D.** सर्प के मिसल पुरानी खाल छोड़ नई लेना । यह तुम्हारा पुरूषार्थ नही है ।
- **E.** तुम जानते हो यह दुनिया और शरीर सब पुराने है। यह छोड़कर अब नई दुनिया में जाना है।

Q.9) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
"---------- की स्थिति ही यथार्थ निर्णय का तख्त है।"

Q.10) **Q. आज की धारणा के आधार पर केवल सही वाक्यों का ही चयन करें ---**

- **A.** अन्दर जो ईर्ष्या आदि की पुरानी आदतें हैं, उसे छोड़ आपस में बहुत प्यार से मिलकर रहना है।
- **B.** ईर्ष्या के कारण पढ़ाई नहीं छोड़नी है।
- **C.** यह पुराना शरीर बहुत काम का है, इस पुराने शरीर से ममत्व नही छोड़ना है।
- **D.** भ्रमरी की तरह ज्ञान की भूँ-भूँ कर कीड़ों को आप समान बनाने की सेवा करनी है।
- **E.** हमें अपने लौकिक धन्धे में लग जाना है।